सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 166 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार 21 जुलाई, 2025
मूल्य ₹ 3/-

मैनचेस्टर में कुलदीप को मिल सकता... 7

मन में धीरज रखने से सब कुछ होता है। अगर कोई माली किसी पेड़ को सौ घड़े पानी से सींचने लगे तब भी फल तो ऋतु आने पर ही लगेगा।

-कबीर दास

अब ब्राह्मणों से दुखी हो गए... 3

प्रदेश का हर युवा अपमानित... 2

एनडीए सरकार पर विपक्ष का तीखा प्रहार, कांग्रेस बोली

'देश को ऑपरेशन सिंदूर का सच बताए सरकार'

हंगामे के बाद लोकसभा की कार्यवाही स्थगित

» ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम हमले पर चर्चा की मांग

» भाजपा अध्यक्ष व कांग्रेस अध्यक्ष में तीखी बहस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम हमले पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्षी सांसदों ने एनडीए सरकार को जमकर घेरा। हालांकि लगातार नारे लगाने के कारण लोकसभा की कार्यवाही 2 व 4 बजे तक स्थगित कर दी गई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सरकार किसी भी मुद्दे पर चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार है। वहीं, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि चर्चा के एजेंडे पर निर्णय लेने के लिए बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक की।

सरकार चर्चा के लिए तैयार है, लेकिन वे (विपक्षी सांसद) यहां (सदन के वेल में) विरोध कर रहे हैं। मानसून सत्र के पहले दिन इस तरह विरोध करना सही नहीं है। उधर राज्य सभा में कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने सरकार से पहलगाम से लेकर ट्रंप तक मुद्दे पर सरकार से सवाल पूछा। राज्यसभा में इस मुद्दे पर जमकर हंगामा हुआ और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम आतंकी हमले के मुद्दे पर सरकार को घेरने की कोशिश की, जिस पर भाजपा अध्यक्ष और सदन के नेता जेपी नड्डा ने भी जोरदार जवाब दिया।

मैं विपक्ष का नेता हूं लेकिन मुझे बोलने नहीं दिया जा रहा : राहुल

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सवाल यह है कि रक्षा मंत्री को सदन में बोलने की अनुमति है, लेकिन विपक्ष के सदस्यों, जिनमें मैं भी शामिल हूं, जो विपक्ष का नेता हूं, को बोलने की अनुमति नहीं है। यह एक नया दृष्टिकोण है। परंपरा कहती है कि यदि सरकार की ओर से लोग बोल सकते हैं, तो हमें भी बोलने की जगह दी जानी चाहिए।

सदन नियम-कानून के अनुसार चलता है : ओम बिरला

स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि सरकार हर मुद्दे पर जवाब देना चाहती है। सदन चलना चाहिए। आप यहां नारे लगाने नहीं आए हैं। सदन नियम-कानून के अनुसार चलता है। विपक्ष से उन्होंने कहा कि यदि उन्हें नारेबाजी करनी है तो वे सदन से बाहर चले जाएं क्योंकि सदन के भीतर ऐसा करना उचित नहीं है। नियमानुसार उठाए गए सभी मुद्दों पर चर्चा होगी। विपक्ष ने उन्होंने कहा कि आप नोटिस दीजिए और जो भी मुद्दा हो, उस पर प्रश्नकाल के बाद चर्चा होगी। पहले दिन सदन चलना चाहिए और अच्छी चर्चा होनी चाहिए। मैं हर सांसद को उचित समय और अवसर दूँगा।

पहलगाम हमले के आरोपियों को कब पकड़ेगी सरकार : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर राज्यसभा में सवाल उठाते हुए कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के आरोपी अभी तक न पकड़े गए हैं और न ही मारे गए हैं। सभी पार्टियों ने एकजुट होकर सरकार को इस मुद्दे पर समर्थन दिया, ऐसे सरकार की तरफ से हमें पहलगाम हमले पर और उसके बाद के घटनाक्रम पर हमें जानकारी दी जानी चाहिए। खरगे ने कहा कि पहलगाम हमले में सरकार से सुरक्षा लापरवाही हुई और ये खुद एलजी ने स्वीकार किया है। साथ ही कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने भी कई खुलासे किए। ऐसे में सरकार को हमें जानकारी दी जानी चाहिए। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप 24 बार कहा कि मेरी मध्यस्थता से समझौता हुआ, तब भारत-पाकिस्तान का संघर्ष थमा। ये देश के लिए अपमानजनक है कि एक बाहर का आदमी ऐसा दावा कर रहा है।

आजादी के बाद नहीं हुआ ऐसा ऑपरेशन : जेपी नड्डा

सदन के नेता और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि इस सदन के माध्यम से देश में ये संदेश नहीं जाना चाहिए कि हम ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा नहीं चाहते, हम चर्चा करेंगे और इस मुद्दे पर हर बात को सदन के पटल पर रखा जाएगा। मैं ये भी कहना चाहूंगा कि देश की आजादी के बाद देश में आज तक ऐसा ऑपरेशन नहीं हुआ, जैसा प्रधानमंत्री के नेतृत्व में ऑपरेशन सिंदूर में हुआ। सदन में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिए नोटिस दिया गया है और जो भी समय तय किया जाएगा, सरकार इस पर चर्चा करेगी और हर सवाल का जवाब दिया जाएगा।

विपक्ष के नेता को बोलने देना चाहिए : प्रियंका

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि अगर वे (सरकार) चर्चा के लिए तैयार हैं, तो उन्हें विपक्ष के नेता को बोलने देना चाहिए। वह बोलने के लिए खड़े हुए हैं, इसलिए उन्हें बोलने दिया जाना चाहिए।

ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिये सरकार को सकारात्मक रहना चाहिए : मायावती

बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि संसद के वर्तमान मानसून सत्र के दौरान पहलगाम नरसंहार के मामले में भारत के आपरेशन सिन्दूर पर चर्चा के लिये सरकार को सकारात्मक होना चाहिये तो यह बेहतर होगा। क्योंकि देश की जनता व सीमाओं की सुरक्षा अन्ततः सरकार का पूर्ण उत्तरदायित्व बनता है, जिसके प्रति प्रतिपक्ष द्वारा भी पार्टी हित से ऊपर उठकर सरकार से सहयोग का रवैया अपनाना जरूरी अर्थात सरकार व विपक्ष दोनों के लिए देश व जन सुरक्षा सर्वोपरि है।

सुरक्षा में नाकामी की जिम्मेदारी कौन लेगा : राजीव

सपा सांसद राजीव राय ने कहा कि हमारे लिए राष्ट्रहित सर्वोच्च है। पूरा विपक्ष और जनता सशस्त्र बलों और सरकार के साथ खड़ी है। प्रधानमंत्री को देश को बताना चाहिए कि पहलगाम में निर्दोष लोगों की हत्या करने वाले आतंकवादी कहां हैं? सुरक्षा में इस नाकामी की जिम्मेदारी कौन लेगा?

"पहलगाम हमले में सरकार से सुरक्षा लापरवाही हुई और ये खुद एलजी ने स्वीकार किया है।

मल्लिकार्जुन खरगे,कांग्रेस अध्यक्ष

प्रदेश का हर युवा अपमानित किया जा रहा है : अखिलेश

बोले सपा प्रमुख- भाजपा नौजवानों का भविष्य अंधकारमय कर रही है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर जबर्दस्त हमला बोला है। उन्होंने कहा कि हर जगह युवा अपमानित किए जा रहे हैं। सपा प्रमुख ने कहा कि 69 हजार शिक्षक भर्ती में आरक्षण का मामला हो या मेडिकल और अन्य क्षेत्रों में, हर जगह युवा अपमानित किए जा रहे हैं।

हक की मांग करने पर सरकार पुलिस से लाठीचार्ज कराकर युवाओं की आवाज दबा देती है। विभिन्न विभागों में बड़ी तादाद में पद भरे जाने हैं, पर इस दिशा में कुछ नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा युवा विरोधी पार्टी है। प्रदेश का युवा बेरोजगार है। भाजपा सरकार ने सभी विभागों की नौकरियों को आउटसोर्स करके नौजवानों की जिंदगी में अंधेरा कर दिया है। अखिलेश यादव ने जारी बयान में कहा कि भाजपा साजिश के तहत विभागों का निजीकरण कर रही है। अब बिजली विभाग इस सरकार के निशाने पर है। बिजली व्यवस्था को अपने चहेतों को देकर सरकार बड़ी संख्या में युवाओं को नौकरी और आरक्षण से वंचित करने का षड्यंत्र कर रही है।

स्कूल बंद कर मधुशाला खोल रही है सरकार : धर्मेंद्र यादव

सपा नेता व सांसद धर्मेंद्र यादव ने भाजपा सरकार पर तंज कसा। कहा कि स्कूल बंद कराके मधुशाला खोलने का काम मौजूदा सरकार कर रही है। इससे साफ है कि सरकार युवाओं के प्रति कितनी सजग है। मुख्य सचेतक व आजमगढ़ से सांसद धर्मेंद्र यादव लोकसभा क्षेत्र के मीडिया प्रभारी प्रभात अग्रवाल के आवास पर पत्रकार वार्ता की। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन का मजबूत घटक है। उत्तर प्रदेश में विपक्ष के रूप में नंबर एक व देश में नंबर तीन की पार्टी है। सरकार को लोक कल्याणकारी कार्य प्राथमिकता के आधार पर करने चाहिए। छोटी सोच व छोटी नियत की सरकार ज्यादा दिन तक टिकती नहीं है।

प्रदेश की जनता के दिल से उतर चुकी भाजपा

सांसद ने कहा कि प्रदेश की जनता के दिल से भाजपा उतर चुकी है। कहा कि बदायूं, आजमगढ़ और सैफई सहित पूरे प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाएं ध्वस्त हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में प्रदेश में सपा सरकार बनने के बाद स्वास्थ्य सेवाएं दुरुस्त करते हुए आमजनता के लिए लोक कल्याणकारी योजनाओं पर काम किया जाएगा।प्रदेश में करीब 27 हजार स्कूल बंद किये जा रहे हैं। इसके विरोध में कल से शुरू हो रहे मानसून सत्र में पार्टी नेतृत्व की ओर से मजबूती से आवाज उठाई जाएगी। प्रदेश की जनता की मांग है कि मधुशाला नहीं, हमें चाहिए पाठशाला। ऐसे स्लोगन की तख्तियां लेकर प्रदेश की जनता भाजपा की नीतियों का विरोध कर रही है।

सपा की सरकार में कांवड़ यात्रा पर फूल बरसाते थे मुसलमान : अवधेश प्रसाद

सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि कांवड़ यात्रा नई नहीं बहुत पुरानी है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के मुख्यमंत्रित्व कार्यकाल में भी शानदार तरीके से कांवड़ यात्रा निकलती थी। तब मुसलमान कांवड़ यात्रा पर फूल बरसाते थे। मुसलमान स्टाल लगाकर कांवड़ियों को पानी पिलाते थे। आज भाजपा सरकार चाह रही है कि कांवड़ यात्रा मार्ग में मुसलमानों की दुकान न रहे। भाजपा नफरत का बीज बो रही है। यह देश सभी का है, हिंदुओं का भी है, मुसलमानों का भी है।

नाकामी छुपाने के लिए स्कूल बंद किया जा रहा है : संजय सिंह

संसद के मानसून सत्र में उठेगा विलय का मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आम आदमी पार्टी (आप) सांसद संजय सिंह ने कहा है कि सोमवार से शुरू होने वाले संसद के मानसून सत्र में प्रदेश में परिषदीय विद्यालयों को बंद करने का मामला उठाऊंगा। बयान जारी कर उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने सरकारी विद्यालयों को बेहतर संसाधन देने के बजाय बंद करने की योजना निकाली है। विद्यालय बंद होने से गरीब, दलित, अल्पसंख्यक और पिछड़े समाज के बच्चों को कंपोजिट विद्यालय में पढ़ने के लिए कई किलोमीटर दूर जाना पड़ रहा है।

रेलवे क्रॉसिंग और हाइवे जैसी बाधाएं पार करके बच्चों को जाना पड़ता है, जिसके चलते काफी बच्चों की पढ़ाई रुक गई है। उन्होंने कहा कि स्कूलों को बंद कर सरकार अपनी नाकामी छुपा रही है।

लखनऊ में 2 अगस्त को बड़ा आंदोलन होगा

संजय सिंह ने कहा कि स्कूल बचाओ अभियान को और मजबूती देते हुए पार्टी 2 अगस्त को लखनऊ में एक बड़ा आंदोलन करेगी। इसमें शामिल होने के लिए पार्टी ने एक नंबर 75 0004 0004 जारी किया है। इस पर 2 अगस्त से पहले मिस्ड कॉल करके ज्यादा से ज्यादा संख्या में पार्टी के इस आंदोलन का हिस्सा बनकर बच्चों के भविष्य को बचाए।

सरकार के इस निर्णय के खिलाफ पार्टी सड़क से संसद तक और फिर सुप्रीम कोर्ट तक इस लड़ाई को लड़ेगी। यह स्कूल बचाओ आंदोलन तब तक चलेगा, जब तक प्रदेश सरकार निर्णय को वापस नहीं लेगी।

सरकारी फैसलों को प्रभावित कर रहा है संघ : डोटासरा

कांग्रेस ने मुख्यमंत्री भजनलाल को घेरा

बोले- सीएम कार्यालय में घुसे आरएसएस के पदाधिकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने को भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर तीखा हमला बोलते हुए गंभीर आरोप लगाए। जयपुर के पास चोमू कस्बे में संविधान बचाओ रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आरएसएस के पदाधिकारी मुख्यमंत्री कार्यालय और राज्य मंत्रालयों के अंदर से काम कर रहे हैं, जिससे सभी सरकारी फैसलों को प्रभावित किया जा रहा है।

डोटासरा ने कहा, निर्वाचित प्रतिनिधियों चाहे वे किसी भी पार्टी के हों, उनके काम और जनता के मुद्दों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही है. सरकार केवल आरएसएस के निर्देशों पर काम कर रही है। उसके लोग मुख्यमंत्री और मंत्रियों के कार्यालयों में तैनात हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी जनता के हितों की उपेक्षा कर रही है और आरएसएस के इशारे पर एक छिपी हुई सत्ता चला रही है, जो लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा है। डोटासरा ने यह भी आरोप लगाया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जैसी जांच एजेंसियों का उपयोग उन लोगों को डराने के लिए किया जा रहा है जो आरएसएस के खिलाफ बोलते हैं। उनका कहना है कि ÷अगर कोई आरएसएस के खिलाफ आवाज उठाने की हिम्मत करता है, तो उसे निशाना बनाया जाता है मैंने आरएसएस के खिलाफ आवाज उठाई है और मेरे घर भी ईडी भेजी गई थी। लेकिन हम जनता के साथ हैं. हम अन्याय बर्दाश्त नहीं करेंगे। राजस्थान की वर्तमान स्थिति को बीजेपी के कथित गुजरात मॉडल से जोड़ते हुए कांग्रेस नेता ने कहा,यही असली गुजरात मॉडल है. सबसे कमजोर व्यक्ति को मुख्यमंत्री बनाओ, सबसे कमजोर विधायकों को मंत्री बनाओ, और फिर भ्रष्ट सरकार चलाने के लिए नौकरशाहों का इस्तेमाल करो उन्होंने दावा किया कि बीजेपी के इस मॉडल का उद्देश्य लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करना और सत्ता पर नियंत्रण बनाए रखना है।

'सरकार और विपक्ष देशहित में एकजुट होकर काम करें'

मानसून सत्र शुरू होने से पहले की खास अपील, ऑपरेशन सिंदूर पर भी दी अपनी राय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने आज सोमवार (21 जुलाई) से शुरू होने वाले संसद के मानसून सत्र से पहले देश और जनता से जुड़े अहम मुद्दों पर सार्थक चर्चा की अपील की है। बसपा चीफ मायावती ने कहा कि सरकार और विपक्ष पार्टी हितों से ऊपर उठकर देशहित और जनहित के लिए एकजुट होने का काम करें। इसके साथ ही मायावती ने कहा ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिये सरकार को सकारात्मक रहना चाहिए।

बसपा चीफ मायावती ने एक्स पर लिखा संसद का आज से शुरू हो रहा बहुप्रतीक्षित सत्र, पिछले सत्रों की तरह देशहित व जनहित के अहम और अति-ज़रूरी मुद्दों पर उचित एवं समुचित बहस तथा किसी बेहतर परिणाम के बिना ही, सरकार और विपक्ष के बीच टकराव, आरोप-प्रत्यारोप, हंगामा तथा देश के करोड़ों गरीब व अन्य मेहनतकश बहुजनों के थोड़े 'अच्छे दिन' की ओर सही से आगे बढ़ने के भरोसे के बेगैर ज्यादातर निराश करने वाला ना हो, इसकी सभी देशवासियों को चिन्ता स्वाभाविक।

क्षेत्र और भाषा विवाद की समस्या खत्म हो

पूर्व सीएम ने लिखा वैसे भी देश के सामने जबरदस्त महंगाई, गरीबी व बेरोजगारी, महिला असुरक्षा तथा खासकर क्षेत्र व भाषा आदि को लेकर बढ़ता आपसी विवाद व हिंसक टकराव आदि के जनहित की समस्याएं के साथ ही आन्तरिक व बाहरी/सीमा सुरक्षा जैसी देशहित के मुद्दे लोगों की सुख-शान्ति व समृद्धि के संघर्ष को प्रभावित कर रहे हैं तथा इन मामलों पर सार्थक बहस के आधार पर आगे की दीर्घकालीन ठोस नीति व रणनीति बनाकर उन पर अमल के लिए संसद का सुचारू रूप से संचालन जनता जरूरी समझती है। ताकि देश विकास व लोग तरक्की के रास्ते पर सही/आसानी से चल सके. जिसमें ही देश के सर्वसमाज एवं बहुजनों का हित निहित है।

देश के मुद्दों पर एकता बनाएं

मायावती ने आगे लिखा कि विश्व के राजनीतिक व आर्थिक हालात जिस तेजी से लगातार नई करवटें बदल रहे हैं उसमें भारत सहित विभिन्न देशों के लोकतंत्र व उसकी संप्रभूता आदि को नई चुनौतियाँ एवं नया खतरा भी मंडराने लगा है. जिसके प्रति भारत सरकार की अपनी राजनीतिक सजगता व कुशलता ही काफी नहीं है, बल्कि उसका सही से मुकाबला करने के लिए सरकार अगर विपक्ष के माध्यम से पूरे देश की जनता को विश्वास में लेकर आगे बढ़े तो यह उचित होगा. वास्तव में सरकार और विपक्ष दोनों पार्टी हित से ऊपर उठकर इन मुद्दों पर एकता बनाएं।

जनहितकारी विकास कार्यों में बाधा बन रही बीजेपी : मान

पंजाब के मुख्यमंत्री ने भाजपा नेताओं को दी चेतावनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं पर राज्य के जनहितकारी विकास कार्यों में बेवजह की बाधाएं उत्पन्न करने का आरोप लगाया और उन्हें ओछी राजनीति से बाज आने की चेतावनी दी।

उन्होंने कहा कि रेल मंत्रालय ने धुरी में रेल ओवरब्रिज परियोजना को मंजूरी दी है। हालांकि, मुख्यमंत्री ने किसी का नाम लिए बिना आरोप लगाया कि राज्य के एक वरिष्ठ भाजपा नेता ने शहर का दौरा किया और अपने निहित राजनीतिक हितों के लिए परियोजना को बाधित करने के लिए एक बयान जारी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे प्रयास बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे और जनता इन नेताओं को सबक सिखाएगी। उन्होंने बताया कि ओवरब्रिज का काम जल्द शुरू होगा। मुख्यमंत्री ने धुरी में आधुनिक खेल स्टेडियम, संगरूर में मेडिकल कॉलेज निर्माण और राज्य में आठ यूपीएससी कोचिंग सेंटर खोलने की घोषणा की।

अब ब्राह्मणों से दुखी हो गए अखिलेश!

- टूटा भरोसे का रिश्ता, छलका दर्द!
- 13 वर्षीय छात्रा पंखुड़ी के बयान से आहत
- बोले सपा प्रमुख बच्चों के सहारे सियासत कर रही है भाजपा
- मुख्यमंत्री योगी के जनता दरबार में भी जा चुकी थी पंखुड़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हाल ही में उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में 13 वर्षीय छात्रा पंखुड़ी त्रिपाठी की शिक्षा को लेकर एक मामला सुर्खियों में रहा। यह मामला तब और चर्चा में आया जब अखिलेश यादव ने पंखुड़ी की मदद के लिए कदम उठाया। लेकिन पंखुड़ी और उनके परिवार ने अखिलेश की मदद को ठुकरा दिया और कथित तौर पर अखिलेश को बुरा नेता कह दिया। वहीं इस मामले ने न केवल राजनीतिक गलियारों में हलचल मचाई। दोस्तों पंखुड़ी त्रिपाठी गोरखपुर के कोतवाली क्षेत्र के पुरदिलपुर की रहने वाली एक 13 वर्षीय छात्रा है। जो सरस्वती शिशु मंदिर पक्की बाग में कक्षा सात की पढ़ाई कर रही थीं और उनके परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर है और उनके पिता दिव्यांग है। चार महीने पहले आर्थिक तंगी के कारण पंखुड़ी स्कूल की फीस लगभग 1650 रुपये जमा नहीं कर पाई थीं। जिसके चलते उनकी पढ़ाई रुक गई थी। इस स्थिति ने पंखुड़ी और उनके परिवार को गहरे संकट में डाल दिया।

जिसके बाद 1 जुलाई 2025 को पंखुड़ी ने गोरखनाथ मंदिर में आयोजित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जनता दरबार में अपनी समस्या रखी और उन्होंने मुख्यमंत्री से अपनी स्कूल फीस माफ करने और पढ़ाई जारी रखने की गुहार लगाई। मुख्यमंत्री योगी ने तत्काल अधिकारियों को निर्देश दिए कि पंखुड़ी का दाखिला सुनिश्चित किया जाए और उनकी फीस का इंतजाम किया जाए योगी ने पंखुड़ी को आश्वासन दिया कि उनकी पढ़ाई नहीं रुकेगी और वह उसी स्कूल में पढ़ाई जारी रख सकती हैं। वहीं मुख्यमंत्री के निर्देश के बावजूद जब पंखुड़ी 5 जुलाई 2025 को अपने माता-पिता के साथ स्कूल पहुंचीं, और फीस माफी के लिए आवेदन दिया तो स्कूल के प्रिंसिपल ने इसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया। प्रिंसिपल ने कथित तौर पर कहा कि मैं तुम्हारी फीस माफ नहीं कर सकता। ऐसा करूंगा तो लोग रोज जनता दरबार जाने लगेंगे इस दौरान प्रिंसिपल ने पंखुड़ी और उनके पिता के साथ कथित तौर पर रूखा और अपमानजनक व्यवहार किया। जिससे पंखुड़ी और उनका परिवार बेहद निराश और आहत हुआ इस घटना ने पंखुड़ी के परिवार को और भी मायूस कर दिया।

भावुक हुए सपा प्रमुख

पंखुड़ी के बयान और उनकी मदद ठुकराए जाने से अखिलेश यादव भावुक हो गए और उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि हमने मदद के लिए कहा तो हम बुरे हैं। बच्चों से राजनीति नहीं करवानी चाहिए। ये राजनीति बड़ा खराब खेल है सपा समर्थकों ने भी इस घटना पर दुख जताया और कहा कि अखिलेश ने बिना किसी स्वार्थ के पंखुड़ी की मदद की पेशकश की थी। लेकिन उनके खिलाफ गलत बयान दिया गया।

राज्य की सियासत भी गरमाई

इस पूरे मामले ने उत्तर प्रदेश की सियासत को गरमा दिया अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाए और उन्होंने कहा कि जब सपा ने मदद की पेशकश की। तभी सरकार को फीस माफ करने की याद आई। 'अखिलेश ने सवाल उठाया कि आज जो उदारता दिखाई जा रही है.वो कल तक कहां थी और उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि योगी सरकार ने पंखुड़ी के परिवार को डराकर अखिलेश की मदद ठुकराने के लिए मजबूर किया। वहीं इस पूरे मामले पर उत्तर प्रदेश की चर्चा का विषय बना रहेगा वहीं यह घटना हमें यह भी सोचने पर मजबूर करती है कि क्या बच्चों के भविष्य जैसे संवेदनशील मुद्दों को सियासत से दूर रखा जाना चाहिए। बच्चों से सियासत नहीं करवानी चाहिए।

पंखुड़ी के बयान के बाद मामला और सियासी रंग में रंगा

वहीं पंखुड़ी के इस बयान के बाद मामला और सियासी रंग लेने लगा। अखिलेश यादव ने इस बयान को सत्ता के दबाव का परिणाम बताया और उन्होंने ङ्ग पर एक लंबा पोस्ट लिखकर कहा कि पूछे गए प्रश्न का जो जवाब है। उसके पीछे सत्ता का दबाव है। बच्ची के परिवार के चेहरों पर सत्ता का डर और झूठ बोलने का अपराध बोध साफ झलक रहा है और उन्होंने यह भी कहा कि भाजपाई अपना झूठ अपने मन में रखें। बच्चों के मुंह से सियासत न कराएं और अखिलेश ने आरोप लगाया कि पंखुड़ी के परिवार को डराया-धमकाया गया। जिसके चलते उन्होंने ऐसा बयान दिया।

अखिलेश यादव के हस्तेक्षप के बाद प्रशासन सक्रिय

आपको बता दें कि अखिलेश यादव के हस्तक्षेप और इस मामले के तूल पकड़ने के बाद प्रशासन हरकत में आया। 7 जुलाई 2025 को जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अमरकांत सिंह ने पंखुड़ी के पिता से संपर्क किया और उन्हें स्कूल आने के लिए कहा उसी दिन पंखुड़ी का दाखिला सरस्वती शिशु मंदिर पक्की बाग में करा दिया गया। पंखुड़ी के परिवार ने इसके लिए मुख्यमंत्री योगी का आभार व्यक्त किया। शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि पंखुड़ी की फीस माफी और दाखिला प्रक्रिया पूरी कर ली गई है और वह अब स्कूल जा सकती है।

अखिलेश यादव ने उठाया था पंखुड़ी का मुद्दा

वहीं जब यह मामला समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव तक पहुंचा। तो उन्होंने तुरंत इस मुद्दे को उठाया। अखिलेश ने 6 जुलाई 2025 को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर एक पोस्ट के जरिए योगी सरकार पर निशाना साधा और उन्होंने लिखा कि जो लोग झूठे नारे 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' लगाते हैं। वो किसी की फीस क्या माफ कराएंगे। हमारा वादा है कि बच्ची की पढ़ाई नहीं रुकेगी इसके साथ ही सपा कार्यालय से पंखुड़ी के परिवार को फोन किया गया और उनकी पढ़ाई का खर्च उठाने का भरोसा दिलाया गया। अखिलेश ने साफ तौर पर कहा कि समाजवादी पार्टी पंखुड़ी की शिक्षा का पूरा इंतजाम करेगी। हालांकि इस कहानी में एक नया मोड़ तब आया जब 7 जुलाई 2025 को पंखुड़ी ने मीडिया के सामने बयान दिया कि उन्हें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर पूरा भरोसा है और वह अखिलेश यादव से कोई मदद नहीं लेंगी पंखुड़ी ने कथित तौर पर कहा कि हमारे सीएम साहब बहुत अच्छे हैं। हमें उन पर पूरा भरोसा है। जो अच्छा होगा, उसी से मदद लेंगे और अखिलेश यादव को बुरा नेता कह दिया।

भाजपा से रूठे राजा, पार्टी ने स्वीकारा इस्तीफा

- आलाकमान के फैसले से निराश थे और खुद को दरकिनार महसूस कर रहे थे हिंदू पोस्टर ब्वाय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हिंदू पोस्टर ब्वाय के रूप में अपनी छवि बनाने वाले राजा सिंह का इस्तीफा भाजपा ने स्वीकार कर लिया है। वहीं सिंह के करीबी सूत्रों ने खुलासा किया कि तेलंगाना में जमीनी स्तर के भाजपा कार्यकर्ताओं के मजबूत समर्थन के बावजूद, वह आलाकमान के फैसले से निराश थे और खुद को दरकिनार महसूस कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने तेलंगाना के विधायक टी राजा सिंह का पार्टी से इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है।

यह इस्तीफा भाजपा द्वारा वरिष्ठ नेता एन. रामचंदर राव को तेलंगाना राज्य इकाई का नया अध्यक्ष नियुक्त करने के हालिया फैसले के बाद आया है - एक ऐसा कदम जिसने कथित तौर पर सिंह के इस्तीफे का कारण बना। सिंह के इस्तीफे को स्वीकार करते हुए अपने पत्र में, भाजपा ने उनके बयानों पर अपनी स्पष्ट अस्वीकृति व्यक्त की, जिसमें कहा गया, आपके द्वारा उल्लिखित विषयवस्तु अप्रासंगिक है और पार्टी की कार्यप्रणाली, विचारधारा और सिद्धांतों से मेल नहीं खाती है। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश

> केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने तेलंगाना के विधायक टी राजा सिंह का पार्टी से इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है। यह इस्तीफा भाजपा द्वारा वरिष्ठ नेता एन. रामचंदर राव को तेलंगाना राज्य इकाई का नया अध्यक्ष नियुक्त करने के हालिया फैसले के बाद आया है, एक ऐसा कदम जिसने कथित तौर पर सिंह के इस्तीफे का कारण बना।

नड्डा के निर्देशानुसार, मैं सूचित करता हूं कि आपका इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया गया है। सिंह के करीबी सूत्रों ने खुलासा किया कि तेलंगाना में जमीनी स्तर के भाजपा कार्यकर्ताओं के मजबूत समर्थन के बावजूद, वह आलाकमान के फैसले से निराश थे और खुद को दरकिनार महसूस कर रहे थे। अपने आक्रामक हिंदुत्व रुख के लिए जाने जाने वाले सिंह को उम्मीद थी कि राज्य अध्यक्ष पद के लिए उनके नाम पर विचार किया जाएगा और उन्होंने कथित तौर पर पार्टी को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की राह पर ले जाने की इच्छा व्यक्त की थी। इससे पहले जारी एक वीडियो संदेश में, सिंह ने राज्य इकाई का नेतृत्व करने के लिए नियुक्त होने पर अपने दृष्टिकोण को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि वह एक समर्पित गौ रक्षा शाखा बनाते, हिंदुत्व-संचालित अभियानों को तेज करते, और पार्टी के भीतर वीआईपी संस्कृति को जड़ से उखाड़ फेंकते। सिंह ने जोर देकर कहा कि नेतृत्व की भूमिका किसी ऐसे व्यक्ति को मिलनी चाहिए जो वैचारिक रूप से भाजपा के मूल मूल्यों से जुड़ा हो, न कि किसी व्यक्तिगत छवि या अभिजात्यवाद से प्रेरित हो।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

समग्र दृष्टिकोण अपनाने से ही निकलेगी राह

अदालतों में एक जीतता है, दूसरा हारता है। लेकिन मध्यस्थता ठीक इसके विपरीत है। गलतफहमियों के कारणों को खोजती है और समाधान की ऐसी समग्र राह दिखाती है जो केवल कानूनी नहीं, बल्कि मानवीय भी होती है। उल्लेखनीय है कि मेडिएशन फॉर ए नेशन के नाम से एक राष्ट्रव्यापी मध्यस्थता अभियान की शुरुआत की गई है जो 90 दिन तक चलेगा।

आज की दुनिया में विवादों को अदालतों तक ले जाने की प्रवृत्ति के बीच जीत भी एक भारी कीमत चुकाने के साथ हासिल होती है। यह कीमत होती है–संबंधों का टूटना, मनमुटाव का स्थायी होना और मानसिक शांति का ह्रास। परंतु इसके विपरीत एक अधिक रचनात्मक और मानवीय विकल्प मौजूद है, जिसे मध्यस्थता कहा जाता है। मध्यस्थता एक ऐसी सुव्यवस्थित प्रक्रिया है, जिसमें किसी विवाद में फंसे पक्ष, एक निष्पक्ष व प्रशिक्षित मध्यस्थ की सहायता से आपसी संवाद के माध्यम से किसी सहमति या समाधान तक पहुंचते हैं। यह केवल किसी कानूनी निर्णय की प्रतीक्षा नहीं, बल्कि %मैं% से हम तक की गहन यात्रा है–एक ऐसा सफर, जिसमें हर पक्ष की सुनवाई होती है और हर किसी की भागीदारी होती है।मध्यस्थता का मूल सिद्धांत यह है कि किसी भी विवाद का वास्तविक समाधान एक पक्ष की जीत और दूसरे की हार में नहीं, बल्कि दोनों पक्षों के संतोषजनक समाधान में है।

अदालती लड़ाइयों में जहां न्यायालय एक निर्णय थोपता है, वहीं इसके विपरीत मध्यस्थता एक ऐसा खुला वातावरण बनाती है जहां पक्षकार एक-दूसरे से संवाद करके अपनी समस्या का समाधान स्वयं तैयार करते हैं। इस प्रक्रिया में, जो समाधान निकलता है, उस पर अमल की संभावना भी अधिक होती है और टूटे हुए उन रिश्तों में भी पुन: जुड़ाव की संभावना बनती है जो अन्यथा अपूरणीय रूप से क्षतिग्रस्त हो सकते हैं। मध्यस्थता की सबसे बड़ी शक्ति यह है कि वह सतही तर्क-वितर्क से परे जाकर पक्षों की गहरी इच्छाओं और जरूरतों तक पहुंचती है। प्रशिक्षित मध्यस्थ की मदद से जब दोनों पक्ष संवाद करते हैं तो अक्सर वे साझा हित उजागर होते हैं, जो प्रारंभ में स्पष्ट नहीं होते।यह प्रक्रिया विवाद के केवल कानूनी पहलुओं तक सीमित नहीं रहती, बल्कि भावनात्मक और व्यावहारिक आयामों को भी छूती है। यह एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें हम ध्यान से सुनते हैं और सहानुभूति के साथ जुड़ते हैं, ताकि एक-दूसरे के नजरिए को साझा किया जा सके और समझा जा सके।भारत के अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटारमणी की परिकल्पना पर आधारित मेडिएशन एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित पहले राष्ट्रीय मध्यस्थता सम्मेलन में सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और अन्य वरिष्ठ न्यायाधीशों ने लंबित मामलों के समाधान के लिए मध्यस्थता को उत्साहपूर्वक अपनाने का आग्रह किया। इस वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्र को बढ़ावा देने का उनका आधार यह दृष्टिकोण है कि सच्चा न्याय हमेशा अदालत में निश्चित 'जीत' या 'हार' के बारे में नहीं होता। इस मौके पर भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बी.आर. गवई ने कहा–'न्यायालय में एक पक्ष सही होता है, दूसरा गलत। इस प्रकार की अदालती कार्यवाही अक्सर सतही और कठोर होती है। मूल कारण अनसुलझा रह जाता है, रिश्ते टूट जाते हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

न्यायमित्रों की भूमिका सशक्त करने की जरूरत

डॉ. सुधीर कुमार

भारत में जनहित याचिका प्रणाली सार्वजनिक न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण रही है। हालांकि, इसकी प्रभावशीलता बढ़ाने और दुरुपयोग को कम करने के लिए लगातार सुधार की आवश्यकता है। इन सुधारों में से एक है एमिकस क्यूरी (न्यायालय मित्र) की भूमिका को और मजबूत करना। यह न केवल जनहित याचिका की गुणवत्ता में सुधार करेगा, बल्कि न्याय वितरण प्रणाली में भी दक्षता लाएगा। जनहित याचिकाएं भारतीय न्यायपालिका का एक महत्वपूर्ण उपकरण रही हैं, जिन्होंने हाशिए पर पड़े लोगों को आवाज देने और सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हालांकि, हाल के वर्षों में इनकी गुणवत्ता और दुरुपयोग को लेकर चिंताएं बढ़ी हैं। एमिकस क्यूरी, जिसका शाब्दिक अर्थ 'अदालत का मित्र' है, वह व्यक्ति या संस्था होती है जो किसी मामले में पक्षकार न होते हुए भी अदालत को कानूनी या तथ्यात्मक जानकारी प्रदान करती है।

इनकी विशेषज्ञता अदालत को जटिल मुद्दों को समझने और निष्पक्ष निर्णय लेने में मदद करती है। जनहित याचिकाओं के संदर्भ में, जहां अक्सर व्यापक सामाजिक, आर्थिक या पर्यावरणीय मुद्दे शामिल होते हैं, एमिकस क्यूरी की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। न्यायमित्र की भूमिका को भारतीय न्यायपालिका में एक 'शांत क्रांति' के रूप में देखा जा सकता है। कानूनी रूप से, न्यायमित्र की नियुक्ति भारतीय संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत सर्वोच्च न्यायालय और अनुच्छेद 226 के तहत उच्च न्यायालयों की अंतर्निहित शक्तियों के दायरे में आती है। ये अनुच्छेद अदालतों को पूर्ण न्याय करने के लिए आवश्यक आदेश पारित करने की शक्ति देते हैं। दरअसल, जनहित याचिका ऐसे जटिल मुद्दों से संबंधित होती हैं जिनके लिए विशिष्ट वैज्ञानिक, तकनीकी या सामाजिक-आर्थिक विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है, जो अदालतों के पास हमेशा नहीं होती।

ऐसे में, संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञों को एमिकस क्यूरी के रूप में नियुक्त करने से अदालत को मामले की गहराई और बारीकियों को समझने में मदद मिलती है। इसके अतिरिक्त, जनहित याचिका में प्रस्तुत तथ्य कभी-कभी अपर्याप्त या एकतरफा हो सकते हैं। एमिकस क्यूरी स्वतंत्र रूप से तथ्यों की गहन जांच कर सकते हैं, अतिरिक्त

जानकारी जुटा सकते हैं, और अदालत के सामने एक निष्पक्ष और संपूर्ण तस्वीर प्रस्तुत कर सकते हैं। कई जनहित याचिकाओं में विभिन्न हितधारकों के जटिल और परस्पर विरोधी हित शामिल होते हैं। एमिकस क्यूरी इन सभी दृष्टिकोणों को ध्यान में रखते हुए अदालत को एक संतुलित और न्यायसंगत समाधान तक पहुंचने में सहायता करते हैं। एमिकस क्यूरी द्वारा प्रदान की गई स्पष्ट और सटीक जानकारी अनावश्यक बहस और समय की बर्बादी को कम करके मामलों के शीघ्र निपटारे में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है, जिससे न्याय वितरण प्रणाली में दक्षता आती है। ताजमहल संरक्षण मामले में एम.सी. मेहता की भूमिका एक सशक्त एमिकस क्यूरी का उत्कृष्ट उदाहरण है। 1980 के दशक में, सुप्रीम कोर्ट ने मेहता को ताजमहल को प्रदूषण से बचाने वाली जनहित याचिका में एमिकस क्यूरी नियुक्त किया। उनके व्यापक शोध और विस्तृत रिपोर्टों के आधार पर, सुप्रीम कोर्ट ने उद्योगों को स्थानांतरित करने और प्रदूषण नियंत्रण उपायों को लागू करने जैसे ऐतिहासिक निर्देश दिए। इस बाबत हम कुछ अन्य देशों से प्रेरणा ले सकते हैं जहां यह व्यवस्था अधिक विकसित और व्यवस्थित है। भारत में, जनहित याचिका मुख्य रूप से न्यायिक सक्रियता पर केंद्रित रही है, लेकिन कुछ देशों में नागरिक भागीदारी को एक अलग और संगठित तरीके से बढ़ावा दिया जाता है। संयुक्त राज्य अमेरिका में, एमिकस क्यूरी अक्सर महत्वपूर्ण संवैधानिक या सार्वजनिक हित के मामलों में हस्तक्षेप करते हैं। वे न केवल कानूनी तर्क प्रस्तुत करते हैं, बल्कि संबंधित हितधारकों के दृष्टिकोण और सामाजिक-आर्थिक प्रभावों पर भी व्यापक जानकारी प्रदान करते हैं।

उनकी भागीदारी अक्सर कई पक्षकारों द्वारा की जाती है, जो न्यायालय को विभिन्न दृष्टिकोणों से अवगत कराती है। इसके विपरीत, भारत में, एमिकस क्यूरी की भूमिका आमतौर पर एकल व्यक्ति तक सीमित होती है कनाडा में, एमिकस क्यूरी को 'सार्वजनिक हित हस्तक्षेपकर्ता' के रूप में देखा जाता है, जो कानूनी सहायता के साथ-साथ नीतिगत और सामाजिक प्रभावों पर भी प्रकाश डालते हैं, और न्यायालय अक्सर विशेषज्ञ संगठनों को आमंत्रित करता है। ये वैश्विक उदाहरण दर्शाते हैं कि एमिकस क्यूरी की व्यापक और बहुआयामी भूमिका जनहित याचिकाओं की प्रभावशीलता को बढ़ा सकती है।

बदले हालात में हमें अच्छे दोस्तों की जरूरत

गुरबचन जगत

क्या कश्मीर समस्या 'सुलझ' गई है? एक पूर्ण युद्ध की कगार से वापसी कर, शांति और सुकून की मौजूदा घड़ी बनने तक का यह बदलाव अचानक हुआ। दो परमाणु शक्ति संपन्न ताकतें एक-दूसरे पर बमबारी, ड्रोन हमले, लड़ाकू विमान और नौसेना तैनात करने और सैन्य टुकड़ियों को सक्रिय करते-करते अचानक से युद्धविराम करते हुए, जीत के आपसी दावे तक पहुंच गईं। जो लोग अंजान हैं, उनके लिए, जैसे पहले स्थिति बनी, फिर पैमाना बढ़ा और फिर अचानक युद्धबंदी हो गई, उन्हें हैरानी हुई होगी- क्या दोनों पक्ष सिर्फ नए हथियारों का परीक्षण कर रहे थे ? मगर जानकार के लिए, यह किसी पुराने नाटक का एक अन्य दृश्य है, ऊंचे कोरस गायन सहित। आजादी के बाद से, हमने चार युद्ध लड़े हैं व पाक के साथ अनेकानेक झड़पें हुई हैं। विभाजन सांप्रदायिक आधार पर हुआ, और खूनी संघर्ष एवं घृणा की नींव बना, जिस पर बाद के टकराव आधारित रहे। जम्मू और कश्मीर भारत का एकमात्र मुस्लिम बहुल राज्य है जो कि अब केंद्रशासित प्रदेश है। पाक पूरा कश्मीर पाना चाहता है।

यह तथ्य कि पाक के कब्जे वाले कश्मीर सहित, यह इलाका सामरिक रूप से चार मुल्कों (अफगानिस्तान, पाकिस्तान, चीन और भारत) के संगम पर स्थित है, जो इसे और वांछनीय बनाता है। चीनी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई), जिसे नया सिल्क रोड कहा जाता है, उसकी धुरी चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा है, जो कि चीन के शिनजियांग को, पीओके से होकर, ग्वादर से जोड़ता है। यह गलियारा चीनी माल की भूमार्गीय पहुंच मध्य एशियाई देशों से यूरोप तक बनाता है। यह सड़क चीन को बारास्ता ग्वादर तट, आगे समुद्री मार्ग से मध्य पूरबी मुल्कों से भी जोड़ती है। हालिया टकराव में भी पाक द्वारा कथित तौर पर चीन निर्मित लड़ाकू विमान, मिसाइलें, संचार, निगरानी उपग्रह और सुरक्षा प्रणालियों का इस्तेमाल किया गया।

मीडिया और बुद्धिजीवियों के उन वर्गों के लिए, जो पाक को एक दिवालिया और आसानी से हराया जाने वाला देश बताते रहते हैं- उनका भू-राजनीति की वास्तविक दुनिया में स्वागत है। पाक उस व्यावसायिक फर्म की तरह है जो कहने को तो अध्याय 11 (दिवालियापन संहिता) में आती हैं, लेकिन अपने देनदारों से तालमेल बिठाते हुए और व्यवस्था से खेल करते हुए, संभावित दाताओं के समक्ष खुद को कैसे पेश करना है, बखूबी जानते हैं। हालिया सैन्य टकराव का पैमाना विस्तारित होकर, लड़ाई के कहीं अधिक जटिल पटल तक फैल गया था। लेकिन इन दिनों, पुंछ और राजौरी में गोलीबारी की कोई खास सुर्खियां नहीं आ रहीं। युद्ध के नए युग में ड्रोन, उपग्रह, निर्देशित मिसाइलें और जाने क्या-क्या उपयोग होता है। इससे इनकी मार केवल सीमावर्ती क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि पूरे देश में महसूस होगी- हमें इस हिसाब से तैयारी करनी होगी। विदेश मंत्रालय ने 11 जुलाई को वार्षिक रिपोर्ट वेबसाइट पर डालते हुए कहा है कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर भारत कोई समझौता नहीं करेगा। सुरक्षा व क्षेत्रीय अखंडता को कमजोर करने की सभी कोशिशों से निपटने के लिए दृढ़ और निर्णायक कदम उठाएगा। हालांकि, निवारक कार्रवाई के बाद भी पाक का रवैया नहीं बदला है।

उसके सेना प्रमुख, फील्ड मार्शल असीम मुनीर का लहजा और बोल और आक्रामक हुए हैं, और वे कश्मीर को पाक की श्वास नली बताते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने उन्हें व्हाइट हाउस में भोज पर आमंत्रित किया, जिससे उन्हें और शह मिली। अमेरिकी राष्ट्रपति ने युद्धविराम (जो भारत-पाक डीजीएमओ के बीच एक द्विपक्षीय मामला था) का श्रेय लेकर भारत व पाक को एक-बराबर रखने की कोशिश की है। आर्थिक मोर्चे पर, अमेरिकी दबाव में विश्व बैंक और आईएमएफ ने पाक को ऋण मंजूर किया। वित्तीय कार्रवाई कार्यबल ने भी पाक को डिफॉल्टर सूची में न डालते हुए बख्श दिया। इन घटनाक्रमों के मद्देनजर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। भारत ने नीतिगत रुख में संशोधन करते हुए कहा है कि आइंदा हर आतंकी कार्रवाई को युद्ध माना जाएगा और उससे उसी तरह निपटा जाएगा। ऐसे हालात में, अब आगे हमारे लिए क्या? कश्मीर या भारत में अन्यत्र कहीं, उकसावे वाला कांड होने की पूरी आशंका है। पाक के विभाजन उपरांत खुमार और चार युद्धों में भारी क्षति, व उसके निहित स्वार्थ, कश्मीर कब्जाने की कोशिशों को मजबूर करते हैं। पहले, यह काम आतंकवाद को शह और मदद देकर बढ़ावा देकर होता रहा, यह तरीका आईएसआई ने अमेरिका की मदद से अफगान तालिबान तैयार करते वक्त अच्छी तरह सीखा।

आईएसआई ने इसका इस्तेमाल भारत को एक छद्म युद्ध में फंसाए रखने, मनोबल गिराने, मुद्दे को जिंदा रखने और जख्म देने के लिये किया। तो, अगला पहलगाम जैसा कुछ होने पर क्या होगा? क्या प्रतिक्रिया घोषणा के मुताबिक पूर्ण युद्ध की रहेगी? या फिर सीमित झड़पों वाली रहेगी? क्या हम टकराव से लाभ कमाने वारे शरारती तत्वों के हाथों में खेलेंगे? हम बदली नीति के मद्देनजर, तमाम महत्वपूर्ण सैन्य पहलुओं में सदैव उच्च-स्तरीय तत्परता बनाए रखें। हम सुनिश्चित करें कि जैसे-जैसे हम तनाव के पायदान चढ़ते जाएंगे, सैन्य मानव-बल, गोलाबारी, निगरानी प्रणाली, तकनीक आदि में इष्टतम जरूरतों की पूर्ति बनी रहे। हमें दुश्मनों, आगे उनके दोस्तों और उनकी क्षमताओं की भी अच्छी समझ बनाए रखनी होगी। हम स्वीकारें कि इस मामले में, फिलहाल हम लगभग अकेले पड़े हैं, और दोस्तों और हमारे सशस्त्र बलों के लिए पर्याप्त संसाधनों के बिना इस विशाल काम का सामना करना मुश्किल होगा।

टिफिन में सुपरमॉम बच्चों के लिए बनाएं ये चीजें

बच्चों के स्कूल खुल गये हैं, जिसको लेकर बच्चों से ज्यादा उनके माता-पिता उत्साहित रहते हैं। खासतौर पर बच्चों का स्कूल खुलते ही हर मां की सबसे बड़ी चिंता होती है कि वो हर रोज उन्हें टिफिन में ऐसा क्या दें, जो पूरा खत्म होकर वापस आए। क्योंकि बच्चों में खाने को लेकर काफी नखरे होते हैं। हर सुबह इसी बात की चिक-चिक होती है कि आज टिफिन में क्या जाएगा। आपकी इस समस्या को कुछ ऐसी रेपिसी हल कर देंगी जो खाने में काफी स्वादिष्ट होती हैं और जिसे बनाना भी काफी आसान है। क्योंकि घर पर होने पर अभिभावक बच्चों को समझाकर खाना खिला देते हैं लेकिन जब बच्चा स्कूल जाता है तो माता पिता लंच के समय उनके साथ नहीं होते हैं। सुबह उठकर मां बच्चे के लिए नाश्ता और लंच बॉक्स पैक करती हैं। उत्साह के साथ मां बच्चे के लिए टिफिन पैक करती हैं, जब बच्चे उसे उतने उत्साह से नहीं खाते और लंच वापस आ जाता है। ऐसे में हर अभिभावक को बच्चे के लिए स्कूल टिफिन पैक करते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

सूजी उत्तपम

गर्मी के मौसम में ऐसी चीजें ही टिफिन में रखनी चाहिए, जो खाने में हल्की हो। ऐसे में सूजी उत्तपम एक बेहतर विकल्प है। सूजी, दही और बारीक कटी सब्जियों से बने छोटे-छोटे उत्तपम आपके बच्चे को काफी पसंद आएंगे। इसे पैक करते समय उसके साथ कैचअप अवश्य रखें, ताकि बच्चे उत्तपम को चाव से खा सकें।

फ्राइड राइस

अगर आपके बच्चे को फाइड राइस पसंद है तो टिफिन में उनके लिए फाइड राइस तैयार करें। इस फाइड राइस को तैयार करने में ढेर सारी सब्जियों का इस्तेमाल करें, ताकि इसका स्वाद कई गुना बढ़ सके। यदि आप ब्राउन राइस तैयार करेंगी तो ये एक हेल्दी विकल्प भी रहेगा।

मिनी इडली

मिनी इडली या कॉइन इडली इडली का छोटा रूप है जो इसे एक बेहतरीन स्नैक फूड बनाता है। अपने छोटे बच्चे के लिए साधारण इडली बनाने की जगह सूजी से बनी मिनी इडली तैयार करें। सूजी से बनी स्टीम इडली बच्चों के लिए हल्की और हेल्दी होती है। ये मिनी इडली एक स्वस्थ नाश्ते या बच्चों के लंचबॉक्स के लिए एकदम सही हैं। इसे आप फ्राई करके भी टिफिन में रख सकती हैं। फ्राइड इडली बच्चों को काफी पसंद आती है। इसके अलावा नारियल से बनी मिनी इडली और चटनी मेरा सबसे पसंदीदा नाश्ता है।

वेजिटेबल पराठा रोल

बच्चों को साधारण सब्जी पराठा देंगे तो उन्हें वो पसंद नहीं आएगा। ऐसे में उनके टिफिन में स्वादिष्ट सा वेजिटेबल पराठा रोल बनाकर पैक करें। इसके लिए गेंहू के आटे से बने पराठे में प्याज, शिमला मिर्च, पत्ता गोभी और पनीर के की स्टफिंग करें। इसके अंदर टोमेटो कैचअप और मियोनीज भी एड करें, ताकि आसका स्वाद बढ़ जाए। इसे टिफिन में देंगे तो बच्चे पूरा टिफिन चट करके आएंगे। वहीं बच्चे के टिफिन में साधारण पराठा रखने की बजाय पनीर से भरा पराठा भी तैयार कर सकते हैं। ये पराठा काफी स्वादिष्ट होता है। इसे बच्चे काफी चाव से खाते है। इसलिए अपने बच्चे को अचार के साथ पनीर पराठा टिफिन में दें, ताकि वो इसे मन से खा सकें।

हंसना मना है

पत्नी- मैं तो तंग आ गई हूं इस आदमी से, कोई काम ठीक से नहीं कर सकता... पति - अरे भाग्यवान, अब क्या खता हो गई मुझसे... पत्नी - ये कल तुमने गैस खत्म होने पर कैसा सिलिंडर लगाया है, दो बार दूध गर्म किया, दोनों बार ही फट गया...

पत्नी - शादी से पहले तो तुम कहते थे कि शादी के बाद मैं तुम्हें ढेर सारा प्यार करूंगा...अब क्या हुआ? पति - सच बताऊं जानू... पत्नी (खुश होते हुए) - हां बताओ... पति - मुझे नहीं लगता था कि हमारी शादी हो ही जाएगी...

आज का महाज्ञान... जिस पुरुष ने आज के समय में बीवी, नौकरी और स्मार्टफोन के बीच में सामंजस्य बैठा लिया हो, वह पुरुष नहीं महापुरुष कहलाता है...

रेलवे पूछताछ केंद्र पर एक महिला पहुंची... क्लर्क - कोहरे के कारण सब ट्रेनें लेट हैं, और कुछ पूछना है... महिला - इस ड्रेस में मैं मोटी तो नहीं लग रही...

पप्पू - मां ये लड़कियां इतने व्रत क्यों रखती हैं... मां - बेटा इतनी आसानी से थोड़ी मिल जाएगा किसी को तू... पप्पू बोला- कसम से आज पहली बार देवता वाली फीलिंग आ रही है...

कहानी — अपने लक्ष्य पर ध्यान

एक बार की बात है। एक तालाब में कई सारे मेढ़क रहते थे। उन मेढ़कों में एक राजा मेंढक था। एक दिन सारे मेढक ने कहा, क्यों न कोई प्रतियोगिता खेली जाए। तालाब में एक पेड़ था। राजा मेंढक ने कहा कि जो भी इस पेड़ पर चढ़ जाएगा, वह विजई कहलाएगा। सारे मेढ़क द्वारा यह प्रतियोगिता स्वीकार कर ली गई और अगले दिन उस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सभी मेंढक तैयार थे। इस प्रतियोगिता मैं भाग लेने के लिए सारे मेंढक जैसे ही प्रतियोगिता शुरू हुई एक एक करके उस पेड़ पर चढ़ने लगे। कुछ मेढ़क ऊपर चढ़ते गए और फिर फिसलते गए। फिर नीचे गिर जाते थे। ऐसे ही कई मेंढक ऊपर चढ़ते रहे और फ़िसलते रहे और फिर नीचे गिर जाते। इसी बीच कुछ मेढ़क ने हार मान कर बंद कर चढ़ना बन्द कर दिया। परंतु कुछ मेढ़क चढ़ते रहे, जो मेढ़क नहीं चढ़ पाए थे और छोड़ दिया था। वह कह रहे थे कि इस पर कोई चढ़े ही नहीं पाएगा। यह असंभव है, असंभव है । इस पर कोई नहीं चढ़ सकता। जो मेंढक दोबारा चढ़ रहे थे, उन्होंने भी हार मान ली। परंतु उनमें से एक मेंढक लगातार प्रयास करता रहा। लगातार प्रयास करने के कारण अंत में वह पेड़ पर चढ़ गया और सभी मित्रों द्वारा तालियां बजाई गई और सबने उससे चढ़ने का कारण पूछा उनमें से एक पीछे से एक ने कहा यह तो बहरा है, इसे कुछ सुनाई नहीं देता। उस बहरे मेंढक के एक दोस्त ने उससे पूछा तुमने यह कैसे कर लिया। उसने कहा मुझे कुछ सुनाई नहीं दे रहा था। मुझे लग रहा था कि नीचे खड़े यह लोग मुझे प्रोत्साहित कर रहे हैं कि तुम कर सकते हो। अब तुम ही हो तुम कर सकते हो और मैं आखिरकार इस पेड़ पर चढ़ गया । सब ने उसकी खूब तारीफ की और उसे पुरस्कृत किया गया।

शिक्षा- इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें सिर्फ अपने लक्ष्य पर केंद्रित होना चाहिए दुनिया क्या कहती है, उस पर ध्यान बिल्कुल नहीं देना चाहिए।

7 अंतर खोजें

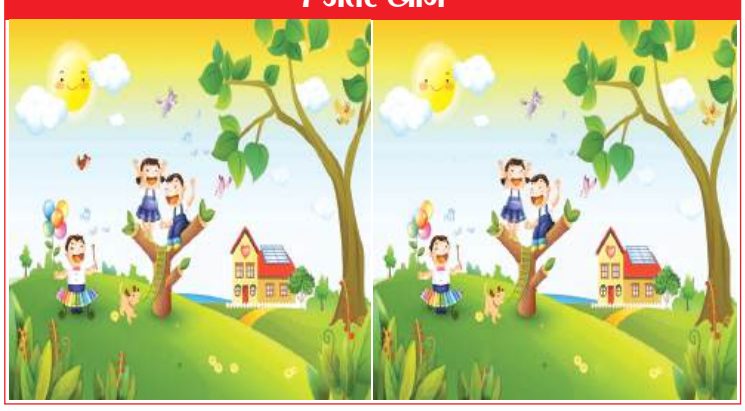

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — पुराना रोग उभर सकता है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। स्वाभिमान को ठेस लग सकती है।

वृषभ — कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा।

मिथुन — सुख के साधन प्राप्त होंगे। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक काम करने की इच्छा रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा।

कर्क — धार्मिक अनुष्ठान पूजा-पाठ इत्यादि का कार्यक्रम आयोजित हो सकता है। कोर्ट-कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। मानसिक शांति रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

सिंह — कुसंगति से बचें। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। पुराना रोग उभर सकता है। किसी दूसरे व्यक्ति की बातों में न आएं। लेन-देन में सावधानी रखें।

कन्या — शरीर में कमर व घुटने आदि के दर्द से परेशानी हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। शत्रुभय रहेगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे।

तुला — शत्रु पस्त होंगे। सुख के साधनों की प्राप्ति पर व्यय होगा। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। बड़ा लाभ हो सकता है। भाग्य का साथ रहेगा।

वृश्चिक — किसी मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। किसी वरिष्ठ प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा।

धनु — राजभय रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। यात्रा में जल्दबाजी न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है।

मकर — प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक कार्यों में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। नौकरी में प्रशंसा होगी। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। चोट व रोग से बचें। निवेश शुभ रहेगा।

कुम्भ — चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। यश बढ़ेगा। दूर से शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी। घर में मेहमानों का आगमन होगा। कोई मांगलिक कार्य हो सकता है। निवेश शुभ रहेगा।

मीन — कुबुद्धि हावी रहेगी। चोट व रोग से बचें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा।

साइबर आतंकवाद से लड़ने के लिए मेनन ने की वापसी

के के मेनन अभिनीत स्पेशल ऑप्स का आगामी सीज़न, अपनी प्रारंभिक रिलीज़ तिथि से एक सप्ताह की देरी के बाद, 18 जुलाई को प्रीमियर के लिए तैयार है। यह बहुप्रतीक्षित सीरीज़ एक ज़बरदस्त जासूसी थ्रिलर के रूप में अपनी परंपरा को जारी रखेगी, और अब इसका ध्यान साइबर युद्ध पर केंद्रित है।

के के मेनन अभिनीत स्पेशल ऑप्स का आगामी सीज़न, अपनी प्रारंभिक रिलीज़ तिथि से एक सप्ताह की देरी के बाद, 18 जुलाई को प्रीमियर के लिए तैयार है। यह बहुप्रतीक्षित सीरीज़ एक ज़बरदस्त जासूसी थ्रिलर के रूप में अपनी परंपरा को जारी रखेगी, और अब इसका ध्यान साइबर युद्ध पर केंद्रित है। साइबर आतंकवाद के खतरों की पड़ताल करते हुए, यह श्रृंखला डिजिटल सुरक्षा खतरों के यथार्थवादी चित्रण के साथ दर्शकों को आकर्षित करने का लक्ष्य रखती है। पारंपरिक जासूसी से साइबर युद्ध की ओर विषयगत बदलाव वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों की बदलती प्रकृति को

रेखांकित करता है और दर्शकों को इन मुद्दों पर एक नया दृष्टिकोण प्रदान करता है। दर्शक तीव्र एक्शन, रणनीतिक योजना और नाटकीय कहानी के मिश्रण की उम्मीद कर सकते हैं क्योंकि स्पेशल ऑप्स 2 इन समकालीन मुद्दों से निपटता है।

शो के प्रशंसक के के मेनन के किरदार हिम्मत सिंह की वापसी का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं, जो डिजिटल आतंकवाद के नए खतरे के खिलाफ प्रयासों का नेतृत्व करेगा। वर्तमान वैश्विक चिंताओं से जुड़ी एक कहानी के साथ, यह सीरीज़ साइबर खतरों की जटिलताओं और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए उनके द्वारा उत्पन्न चुनौतियों का पता लगाने का वादा करती है। आगामी सीज़न साइबर युद्ध पर केंद्रित होगा। मेनन हिम्मत सिंह की अपनी भूमिका को फिर से निभाएंगे, जो डिजिटल आतंकवाद के इस नए खतरे के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व करते हैं। शो साइबर खतरों की पेचीदगियों और राष्ट्रीय सुरक्षा पर उनके प्रभावों पर गहराई से प्रकाश डालने का वादा करता है। इस बार, हर कोई निशाने पर है की टैगलाइन आज की दुनिया में साइबर आतंकवाद के बड़े खतरे को दर्शाती है।ताहिर राज भसीन नए खलनायक के रूप में कलाकारों में शामिल हुए हैं। 16 जून को रिलीज़ हुए ट्रेलर ने अपने अप्रत्याशित कथानक और मनोरंजक कहानी से दर्शकों के बीच पहले ही उत्सुकता जगा दी है।

'मालिक' की सफलता पर मानुषी छिल्लर ने तोड़ी चुप्पी

राजकुमार राव और मानुषी छिल्लर स्टारर फिल्म 'मालिक' बॉक्स ऑफिस पर ठीक-ठाक प्रदर्शन कर रही है। फिल्म ने रिलीज के छह दिन के भीतर ही 19 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया है। इस बीच फिल्म को लेकर ना सिर्फ दर्शकों में उत्साह है, बल्कि मानुषी के अभिनय को भी जमकर सराहना मिल रही है। अब जबकि फिल्म सिनेमाघरों में अपनी पकड़ बना चुकी है, आइए बताते हैं एक्ट्रेस ने क्या कुछ कहा है।

'मैं इंडस्ट्री में आउटसाइडर'

मालिक में अपने किरदार पर एक्ट्रेस बोलीं, मेरे लिए 'मालिक' वही मौका था। मैं इंडस्ट्री में आउटसाइडर हूं, इसलिए कभी ये उम्मीद नहीं की थी कि डेब्यू के साथ ही ड्रीम रोल मिल जाएगा। लेकिन 'शालिनी' का किरदार मुझे इसीलिए खास लगा क्योंकि इसमें मुझे पहली बार परफॉर्मेंस का असली मौका मिला। ये फिल्म मेरे लिए सिर्फ एक रोल नहीं थी, बल्कि एक ऐसा चांस था जहां मैं सिर्फ 'अच्छी दिखने' से आगे जाकर, कुछ महसूस करवा सकूं।

बॉलीवुड | मसाला

मानुषी ने कहा कि जब वो पीछे मुड़कर देखती हैं, तो उन्हें सबसे ज्यादा वो सफर याद आता है जहां सभी ने दिल लगाकर मेहनत की थी। डायरेक्टर से लेकर कास्ट तक हर किसी की एक क्लियर सोच थी, और आज जब लोग उस काम को सराह रहे हैं, तो वो सपने जैसा लगता है। ये पहला मौका था जब उन्हें परफॉर्मेंस के लिए इतनी सराहना मिली।

मानुषी ने मालिक के बारे में बात करते हुए कहा कि हर दर्शक की अपनी नजर होती है। जहां आम जनता ने फिल्म को पॉजिटिव रिस्पॉन्स दिया, वहीं कुछ क्रिटिक्स ने स्क्रिप्ट पर सवाल उठाए। लेकिन इंडस्ट्री के अंदर के कुछ लोगों ने उन्हें कॉल करके उनकी एक्टिंग की तारीफ की, जो उनके लिए बहुत खास था।

एक्ट्रेस ने आगे अपनी पिछली फिल्म पृथ्वीराज का जिक्र करते हुए बताया कि 'पृथ्वीराज' के वक्त उनकी स्क्रीन प्रेजेंस की तारीफ तो हुई, लेकिन जो गहराई वो चाहती थीं, वो नहीं दिख पाई। लेकिन 'मालिक' के बाद लोग उन्हें सिर्फ देखने नहीं, बल्कि महसूस करने लगे हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

परिवार के साथ थिएटर जाना महंगा सौदा : पंकज त्रिपाठी

पंकज त्रिपाठी की गिनती इंडस्ट्री के दिग्गज कलाकारों में होती है। हाल ही में आई अनुराग बसु की 'मेट्रो इन दिनों' में एक बार फिर उन्होंने अपने अभिनय से सबको प्रभावित किया था। 'मेट्रो इन दिनों' अच्छे रिव्यू के बाद भी बॉक्स ऑफिस पर उतना अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी। अब अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने फिल्मों के बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन न कर पाने के लिए महंगे टिकट प्राइस को जिम्मेदार ठहराया है।

पंकज त्रिपाठी ने दर्शकों के सिनेमाघरों में न पहुंचने पर प्रतिक्रिया दी है। अभिनेता ने कहा कि इस मामले में टिकट की कीमतें एक मुद्दा हैं और उसकी भी एक भूमिका है। अगर आज किसी परिवार को थिएटर जाना पड़े, तो यह बहुत महंगा सौदा है। टिकट की कीमतें और वहां परोसा जाने वाला खाना बहुत महंगा है। हालांकि, ये बिजनेस का खेल मेरी समझ से बाहर है। लेकिन हां, मुझे लगता है कि फिल्म के टिकट बहुत महंगे हैं और यह निश्चित रूप से एक बाधा है। पंकज त्रिपाठी ने आगे कहा कि सिर्फ मंगलवार या नेशनल सिनेमा डे पर जब टिकट की कीमतें कम होती हैं, तो सिनेमाघरों में दर्शकों की संख्या बढ़ जाती है। इसलिए अगर टिकट की कीमतें सही होंगी, तो दर्शकों की संख्या निश्चित रूप से बढ़ेगी। एक परिवार के लिए 2 हजार रुपए खर्च करके और पांच घंटे का समय निकालना, जिसमें आना-जाना भी शामिल है। ये आसान बात नहीं है। 2 हजार कोई बहुत छोटी रकम नहीं है। वर्क फ्रंट की बात करें तो पंकज त्रिपाठी हाल ही में 'मेट्रो इन दिनों' में नजर आए थे। फिल्म में उनके काम की तारीफ भी हुई थी। इसके अलावा वो अपनी पॉपुलर वेब सीरीज 'क्रिमिनल जस्टिस सीजन 4' में एक बार फिर वकील माधव मिश्रा के किरदार में दिखे थे। दोनों ही कामों की तारीफ हुई थी। अभिनेता इन दिनों अपनी फैमिली एंटरटेनर फिल्म 'पारिवारिक मनुरंजन' की शूटिंग कर रहे हैं। इस फिल्म में वो अभिनेत्री अदिति राव हैदरी के साथ नजर आएंगे।

4 साल 9 महीने से नहीं खाया अन्न, सिर्फ नर्मदा नदी के जल पर आश्रित हैं संत समर्थ दादा गुरु

संत समर्थ दादा गुरु महाराज पिछले 4 साल 9 महीने से निराहार हैं। उन्होंने इस दौरान अन्न का एक भी दाना नहीं खाया और केवल 1 लीटर नर्मदा जल पर जीवित हैं। यह सुनकर कोई भी चौंक जाए, लेकिन यह बात संत स्वयं अपने प्रवचनों में साझा करते हैं। दादा गुरु न सिर्फ निराहार हैं बल्कि उन्होंने इस अवधि में अब तक चार लाख किलोमीटर की पैदल यात्रा भी पूरी की है। सर्दी, गर्मी या बारिश किसी भी मौसम में उनका चलना कभी बंद नहीं हुआ।

समर्थ दादा गुरु घंटों तक बिना एक बूंद पानी पिए प्रवचन देते हैं और उनकी वाणी में गजब की ऊर्जा देखने को मिलती है। वे नर्मदा नदी के तटों पर ध्यान और साधना में समय बिताते हैं। वह अब तक दो बार नर्मदा परिक्रमा भी कर चुके हैं। उनकी यह जीवनशैली और ऊर्जा आधुनिक विज्ञान के लिए एक रहस्य और चुनौती बनी हुई है। यही कारण है कि मध्यप्रदेश सरकार ने उन पर शोध की प्रक्रिया शुरू कर दी है। समर्थ दादा गुरु का यह तप नर्मदा नदी के संरक्षण और संवर्धन के लिए है। उनका मानना है कि मां नर्मदा केवल नदी नहीं, जीवनदायिनी भगवती हैं, जिनका अस्तित्व बचाना हम सबका कर्तव्य है। शुक्रवार को संत समर्थ दादा गुरु सागर जिले की खुरई विधानसभा पहुंचे, जहां 61,700 पौधों का वृक्षारोपण किया गया। इस आयोजन को पूर्व गृह मंत्री भूपेंद्र सिंह के नेतृत्व में ऐतिहासिक स्तर पर संपन्न किया गया। इस कार्यक्रम में संत ने इसे सहस्रकोटि यज्ञ की संज्ञा दी और कहा कि श्रावण मास शिव की उपासना का महीना है, और वृक्ष लगाना इसी आराधना का सजीव रूप है। कार्यक्रम में उपस्थित छात्रों को संबोधित करते हुए दादा गुरु ने कहा, वृक्षों में जीवन की शक्ति है। वे माटी, जल और वायु। इन तीनों का समाधान हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वृक्ष को पानी देना पितरों को जल अर्पित करने के समान है। दादा गुरु ने भारतीय नदियों को जीवनदायिनी बताते हुए कहा कि गंगा, यमुना, नर्मदा, गोदावरी और कावेरी मात्र नदियां नहीं, हमारी माताएं हैं, और इनका संरक्षण हमारी संस्कृति और धर्म का अनिवार्य हिस्सा है। दादा गुरु का यह जीवन तप और साधना का अद्भुत उदाहरण है। उनके शरीर की ऊर्जा, उनकी वाणी की शक्ति और बिना अन्न-जल के उनका निरंतर चलना, कई लोगों के लिए आस्था का विषय है तो विज्ञान के लिए शोध का।

अजब-गजब | 105 डिग्री पर झुकी है इस पहाड़ की चट्टान

इसे कहा जाता है दुनिया का इकलौता पहाड़

आपने फिल्मों में देखा होगा कि कोई आदमी किसी ऊंची चट्टान से गिरता है और बहुत देर तक नीचे गिरता ही रहता है। लेकिन क्या आपको पता है कि असल दुनिया में भी एक ऐसा पहाड़ है, जहां से अगर कोई गिरे तो वह 26 सेकेंड तक बस हवा में ही रहेगा! ये सुनने में जितना डरावना लगता है, असलियत में उतना ही खतरनाक है ये पहाड़- Mount Thor।

Mount Thor कनाडा के उत्तरी इलाके में मौजूद है। ये पहाड़ बाफिन द्वीप नाम के आइलैंड पर है, जो कि कनाडा के आर्कटिक आइलैंड्स में सबसे बड़ा है। इस पहाड़ का नाम नॉर्स पौराणिक कथा के एक गॉड 'Thor' के नाम पर रखा गया है, जो बिजली और गड़गड़ाहट के देवता माने जाते हैं। उनका नाम इस पहाड़ के डर और ताकत को जाहिर करता है। Mount Thor की ऊंचाई लगभग 5,500 फीट है। लेकिन ये सिर्फ ऊंचाई की वजह से फेमस नहीं है। असली बात तो इसकी एक साइड की चट्टान है- जिसे वेस्ट फेस (पश्चिमी तरफ की दीवार) कहा जाता है। यह चट्टान इतनी ज्यादा खड़ी है कि सीधी भी नहीं है, बल्कि थोड़ा पीछे की ओर मुड़ी हुई है। इसे vertical से भी ज्यादा खड़ा चट्टान कहा जाता है।अब जरा सोचिए, कोई चीज अगर इस चट्टान के ऊपर से गिराई जाए, तो वह 4,100 फीट तक बिना किसी

रुकावट के सीधा नीचे गिरेगी। इंसान अगर बिना पैराशूट के यहां से कूदे, तो वह 26 सेकेंड तक सिर्फ गिरता ही रहेगा। यानी आधे मिनट तक ज़मीन से नहीं टकराएगा।

Mount Thor की वेस्ट फेस का झुकाव 105 डिग्री है। आम तौर पर कोई भी सीधी दीवार 90 डिग्री होती है, लेकिन यह उससे भी ज्यादा झुकी हुई है- यानी पीछे की ओर। इसे ओवरहैंग कहते हैं। इस वजह से ये चट्टान किसी सीधी दीवार की तरह नहीं, बल्कि ऊपर से थोड़ी बाहर की ओर निकली हुई दिखती है, जैसे किसी ने इसे बीच से काटकर थोड़ा सा उल्टा कर दिया हो।

Mount Thor सिर्फ दिखने में ही खास नहीं है, इसका इतिहास भी बहुत पुराना है। ये पूरा पहाड़ ठोस ग्रेनाइट से बना हुआ है — वही पत्थर जिससे बहुत मजबूत चीज़ें बनाई जाती हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक ये ग्रेनाइट करीब 3.5 अरब साल से लेकर 57 करोड़ साल पहले के बीच में बना था।

इतना ही नहीं, इस चट्टान की जो खतरनाक वेस्ट फेस बनी है, वो भी धीरे-धीरे तैयार हुई है। हजारों सालों तक ग्लेशियर यानी बर्फ के बड़े-बड़े पहाड़ इस इलाके में आते-जाते रहे। जब ये बर्फ के ग्लेशियर आगे बढ़ते और पीछे हटते थे, तो वो इस चट्टान को काटते चले गए। ऐसा हजारों साल तक होता रहा, और उसी की वजह से आज इसकी चट्टान ष्ट शेप जैसी हो गई है- ऊपर से बाहर की ओर निकली हुई।

Mount Thor कनाडा के बहुत दूर और ठंडे इलाके में है, जहां तक पहुंचना आसान नहीं होता। लेकिन फिर भी ये पहाड़ उन लोगों के बीच बहुत मशहूर है जो चढ़ाई का शौक रखते हैं। इस पहाड़ पर पहली बार 1965 में चढ़ाई की गई थी। अमेरिका के एक साइंटिस्ट और पर्वतारोही Lyman Spitzer और उनके साथी Donald Morton ने मिलकर इसे फतह किया था। लेकिन इसकी सबसे खतरनाक वेस्ट फेस पर चढ़ने की कोशिश बाद में हुई। साल 1985 में पहली बार किसी ने इसकी वेस्ट फेस पर चढ़ाई की- और वो भी एक-दो दिन में नहीं, बल्कि पूरे 33 दिन में!

खाद संकट पर घिरी सैनी सरकार

» भाजपा ने जानबूझकर खड़ा किया खाद संकट : हुड्डा

कांग्रेस समेत सारे विपक्ष ने किया प्रहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने भाजपा सरकार पर जानबूझकर खाद संकट पैदा करने का आरोप लगाया है। सरकार के 31 जुलाई से पोर्टल पर खाद मिलेगी बयान पर हुड्डा ने कहा 10 से 15 दिन ही और किसान को इस सीजन में खाद की जरूरत है। समय बीतने के बाद खाद मिलने का किसान को क्या फायदा होगा। प्रदेश और केंद्र में दोनों जगह डबल इंजन की भाजपा की सरकार होने के बावजूद अब तक केंद्र से हरियाणा के हिस्से की आधी खाद ही मिल पाई है। अभी तकरीबन 50 फीसदी खाद आना अभी भी बाकी है। हुड्डा ने कहा कि केंद्र ने इस सीजन के लिए हरियाणा को यूरिया का कुल 13.90 लाख मिट्रिक टन कोटा तय किया है।

अभी तक तक सिर्फ 7.5 लाख टन ही मिल पाया है। इसी तरह 59,950 टन डीएपी में से सिर्फ 30,000 टन डीएपी ही मिली है। यानी डबल इंजिन की सरकार मिलकर किसानों को परेशान करने में लगी है। हुड्डा ने कहा कि सरकार जवाब दे कि जो खाद, सीधे केंद्र पर नहीं मिल पा रही है, वो पोर्टल से कैसे मिलने लगेगी। अगर खाद पोर्टल से मिल सकता है तो सहकारी समिति केंद्र पर क्यों नहीं मिल रहा? सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने खाद के संकट पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है और सरकार से भी सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए सवाल पूछा है। सांसद दीपेंद्र ने पोस्ट करते हुए लिखा है कि हरियाणा के किसानों पर खाद संकट की मार, भाजपा के डबल इंजन में चौतरफा हाहाकार। इसके साथ ही खाद को लेकर किसानों को होने वाली परेशानी का भी मुद्दा उठाया है।

किसान पर पड़ रही खाद संकट की मार : दीपेंद्र

भाजपा सरकार में मिल रहा खाद माफियाओं को संरक्षण : अभय चौटाला

इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय चौटाला ने प्रदेश में खाद के लिए हो रही मारामारी पर भाजपा सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि पिछले कई साल से हर साल खाद की जानबूझ कर किल्लत की जाती है और फिर उसकी कालाबाजारी की जाती है। खाद की कालाबाजारी का पूरा खेल खाद माफिया के माध्यम से भाजपा सरकार के संरक्षण में किया जाता है। किसान खाद के लिए परेशान है। हद तो तब होती है सभी किसानों को आधार कार्ड दिखाने पर यूरिया के मात्र पांच और डीएपी के मात्र तीन बैग मिलते हैं, जबकि बारिश के बाद किसानों को अधिक खाद चाहिए।

कांवड़िए सत्ता संरक्षण में पलने वाले गुंडे-माफिया : स्वामी प्रसाद मौर्य

» कुछ सपाई घुस गए होंगे जो गड़बड़ कर रहे हैं : केशव प्रसाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अपनी जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने कांवड़ियों को सत्ता संरक्षण में पलने वाले गुंडे और माफिया कहा है। वहीं उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा, कांवड़ यात्रा अच्छे से चल रही है, जो भोले बाबा के सच्चे भक्त हैं वे सच्ची यात्रा कर रहे हैं। कुछ सपाई घुस गए होंगे जो गड़बड़ कर रहे हैं।

वहीं स्वामी प्रसाद ने कहा कि वर्तमान में जो भारतीय संविधान के साथ छेड़छाड़ हो रही उसे लेकर प्रदेश स्तरीय बैठक में चर्चा हुई है। इसके साथ ही अपनी जनता पार्टी की इकाई स्कूलों के मर्ज का विरोध कर रही है। बंद स्कूलों के विरोध में बाइक रैली निकलेगी जो सभी विकासखंडों में जाएगी। स्वामी प्रसाद ने कहा कि जिस तरीके से बीजेपी सरकार को इस प्रदेश को अराजकता की आग में झोंक रही है। बीजेपी संरक्षण प्राप्त गुंडे माफिया और अपराधियों को कानून से खिलवाड़ करने की पूरी छूट दे रही है। उधर अवैध धर्मांतरण मामले में पकड़े जमालुद्दीन उर्फ छांगुर मामले को लेकर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने प्रतिक्रिया दी है। डिप्टी सीएम ने कहा, जो भी समाज विरोधी, राष्ट्र विरोधी, गरीब विरोधी, महिला विरोधी काम करेगा, उसकी जांच होगी और जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कार्रवाई होगी।

निशांत को सौंपें जेडीयू की कमान : उपेंद्र कुशवाहा

» नीतीश को दी नसीहत, बोले- खुद चलाएं सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। एनडीए के घटक दल और पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को जनता दल (यूनाइटेड) की कमान छोड़ने की सलाह देते हुए कहा कि अब उनके लिए सरकार और पार्टी दोनों को एक साथ संभालना संभव नहीं रहा। इसके साथ ही, कुशवाहा यह सुझाव देने वाले भाजपा और जदयू के पहले सहयोगी बन गए। नीतीश के पुराने मित्र कुशवाहा ने उनके बेटे निशांत को जन्मदिन की बधाई देते हुए यह बात कही और उन्हें 'जद(यू) की नई उम्मीद' भी बताया।

उपेंद्र ने एक्स पर लिखा कि मीडिया/सोशल मीडिया से जानकारी मिली है कि आज नीतीश के सुपुत्र निशांत का जन्मदिन है। खुशी के इस अवसर पर जेडीयू की नई उम्मीद निशांत को जन्म दिन की ढेर सारी शुभकामनाएं। ईश्वर उसे हमेशा स्वस्थ एवं प्रसन्नचित्त रखें। इसके साथ ही उन्होंने आगे लिखा कि इस अवसर पर नीतीश से अति विनम्र आग्रह है कि समय और परिस्थिति की नजाकत को समझते हुए इस सच को स्वीकार करने की कृपा करें कि अब सरकार और पार्टी दोनों का (साथ-साथ) संचालन स्वयं उनके लिए भी उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार चलाने का उनका लंबा अनुभव है जिसका लाभ राज्य को आगे भी मिलता रहे, यह फिलहाल राज्य हित में अतिआवश्यक है।

कांग्रेस व आप ने राज ठाकरे पर साधा निशाना

» गुजरात की धरती पर राजनीति करने पर मिलेगा जवाब : अमित चावड़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। गुजरात में कांग्रेस, आप और पाटीदार नेताओं ने सरदार वल्लभभाई पटेल और पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई के बारे में टिप्पणियों को लेकर मनसे प्रमुख राज ठाकरे पर निशाना साधा। उन्होंने ठाकरे के गुजरात में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने और उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की भी मांग की। ठाणे जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने कहा था कि जब गुजरात में बिहार के प्रवासियों को 'पीटा गया और भगा दिया गया' तो यह कोई मुद्दा नहीं बना, लेकिन महाराष्ट्र में एक छोटी सी घटना राष्ट्रीय मुद्दा बन गई।

उन्होंने स्वतंत्रता के बाद मोरारजी देसाई और सरदार पटेल के कथित मराठी विरोधी रुख का भी उल्लेख किया था। पिछले कुछ हफ्तों से मनसे कार्यकर्ता आक्रामक तरीके से मांग कर रहे हैं कि महाराष्ट्र में रहने वाले लोग मराठी सीखें। उन्होंने मराठी में जवाब न देने पर कुछ दुकानदारों पर कथित तौर पर हमला भी किया। गुजरात कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष अमित चावड़ा ने कहा, गुजरात की धरती पर राजनीति करोगे तो जवाब मिलेगा।

गुजराती लोगों का अपमान कर रहे मनसे के लोग: इसुदान गढ़वी

आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष इसुदान गढ़वी ने कहा कि गुजराती ठाकरे की टिप्पणी को कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, ''आपकी राजनीति काम नहीं कर रही है, इसलिए आप न केवल गुजराती लोगों का बल्कि पूरे देश के नेता सरदार पटेल का अपमान कर रहे हैं।'' 'आप' नेता ने मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सीआर पाटिल से ठाकरे के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने की अपील की।पाटीदार नेता मनोज पनारा ने मोरबी शहर में पुलिस को एक अर्जी सौंपकर ठाकरे के खिलाफ राजद्रोह का मामला दर्ज करने और उनके गुजरात प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने की मांग की।

शिंदे ने उद्धव की तुलना नीरो से की

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शिवसेना (उबाठा) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे पर निशाना साधते हुए रोम के सम्राट नीरो और उनसे जुड़ी एक लोकप्रिय किंवदंती का जिक्र किया। उन्होंने विपक्ष के चुनाव हारने पर निर्वाचन आयोग की ''चुनिंदा'' आलोचना पर भी सवाल उठाया। शिवसेना प्रमुख शिंदे ने उद्धव का नाम लिए बिना कहा, ''यह अजीब बात है कि कुछ लोग तब भी जश्न मना रहे हैं, जब लोग उनकी पार्टी (शिवसेना-उबाठा) छोड़ रहे हैं। हमने इस तरह का व्यवहार पहले कभी नहीं देखा। 'जब रोम जल रहा था, नीरो बांसुरी बजा रहा था'। उन्होंने कहा कि आत्मनिरीक्षण करने के बजाय, कुछ नेता सिर्फ आरोप-प्रत्यारोप में लगे हैं और दूसरों को कोस रहे हैं।

मैनचेस्टर में कुलदीप को मिल सकता है मौका

» पाटा विकेट को देखते हुए टीम संयोजन में हो सकता है बदलाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मैनचेस्टर। भारतीय क्रिकेट टीम इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में फिलहाल 1-2 से पीछे चल रही है। भारतीय टीम प्रबंधन ने निचले क्रम की बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए एजबेस्टन और लॉर्ड्स में अभी तक तीन ऑलराउंडर और तीन विशुद्ध गेंदबाजों को उतारा है जिसको लेकर आलोचना भी हो रही है। तीसरे मैच में 22 रन की नजदीकी हार के बाद टीम में बदलाव के संकेत हैं। मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में होने वाले चौथे टेस्ट मैच में भारतीय टीम तीन स्पिनरों को उतार सकती है।

तेज गेंदबाज आकाश दीप लॉर्ड्स में फिटनेस को लेकर संघर्ष करते नजर आ रहे थे। माना जा रहा है कि ओल्ड ट्रैफर्ड की पिच बल्लेबाजी के अनुकूल होगी और कलाई के स्पिनरों को इससे मदद मिल सकती है। इंग्लैंड टीम के नियमित स्पिनर शोएब बशीर चोट लगने के बाद सीरीज से बाहर हो चुके हैं। उनकी जगह टीम ने डॉसन को बुलाया है। ऐसे में भारतीय टीम चौथे टेस्ट मैच में अब तक बाहर बैठे कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को मौका दे सकती है। पांच गेंदबाजों की थ्योरी में दो तेज गेंदबाज और तीन स्पिनर हो सकते हैं। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन का भी मानना है कि पाटा विकेट स्पिनरों का रास आ सकता है। ऐसे में भारत बुमराह और सिराज के साथ तीन स्पिनरों वाशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा और कुलदीप यादव को मौका दे सकता है। हालांकि उनका कहना है कि मैनचेस्टर में मौसम से खेल प्रभावित हो सकता है लेकिन यह भारतीय टीम प्रबंधन को देखना है।

2031 तक इंग्लैंड करेगा डब्ल्यूटीसी के फाइनल की मेजबानी

नई दिल्ली। आईसीसी ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2031 तक के फाइनल की मेजबानी इंग्लैंड को सौंपी है। आईसीसी ने बताया कि अगले तीनों संस्करणों की मेजबानी इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड के पास ही रहेगी। आईसीसी ने यह फैसला इंग्लैंड के ट्रैक रिकॉर्ड को ध्यान में रखते हुए लिया है। दरअसल, पिछले तीनों संस्करणों की मेजबानी भी इंग्लैंड और ईसीबी ने ही की है। डब्ल्यूटीसी का पहला फाइनल मुकाबला 2021 में खेला गया था। जिसे न्यूजीलैंड ने जीता था। इसके बाद 2021-23 सत्र का डब्ल्यूटीसी फाइनल मुकाबला द ओवल में खेला गया, जिसे ऑस्ट्रेलिया ने जीता। वहीं, 2023-25 सत्र का डब्ल्यूटीसी फाइनल मैच लॉर्ड्स में खेला गया था। इसे दक्षिण अफ्रीका ने अपने नाम किया था।

मुंबई हवाई अड्डे पर टला बड़ा हादसा, एअर इंडिया का विमान रनवे से आगे निकला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। कोच्चि से आ रहा एअर इंडिया का एक विमान सोमवार सुबह मुंबई हवाई अड्डे पर रनवे से आगे निकल गया। इसके बाद विमान को जांच के लिए रोक दिया गया। एक एयरलाइन प्रवक्ता ने बताया कि विमान को सुरक्षित रूप से टैक्सी कर दिया गया है। सभी यात्री और चालक दल के सदस्य उतर गए हैं।

प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, 21 जुलाई, 2025 को कोच्चि से मुंबई के लिए उड़ान भरने वाली उड़ान संख्या॰ढ्ढ2744 की लैंडिंग के दौरान भारी बारिश हुई। इस वजह से लैंडिंग के बाद विमान रनवे से बाहर निकल गया। बाद में विमान सुरक्षित रूप से गेट तक टैक्सी कर गया। सभी यात्री तथा चालक दल के सदस्य सुरक्षित उतर गए हैं।सूत्रों के मुताबिक, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) की एक टीम स्थिति का आकलन कर रही है।

विमानन कंपनी के प्रवक्ता ने कहा, विमान को जांच के लिए रोक दिया गया है। यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।इससे पहले एअर इंडिया एक्सप्रेस ने सोमवार को दिल्ली जाने वाली एक उड़ान के यात्रियों को हुई असुविधा पर खेद जताया। एक दिन पहले तकनीकी खराबी के कारण इस उड़ान को रद्द करना पड़ा था। विमानन कंपनी ने कहा कि वह परिचालन की सुरक्षा को प्राथमिकता देती है। दरअसल, रांची-दिल्ली मार्ग पर उड़ान रद्द होने से रविवार शाम रांची में हवाई अड्डे पर अफरा-तफरी मच गई। इस दौरान यात्री एयरलाइन के कर्मचारियों से समय-निर्धारण को लेकर बहस करते देखे गए।

बांग्लादेश एयरफोर्स का एयरक्राफ्ट स्कूल के नजदीक क्रैश, 1 की मौत, 2 घायल

ढाका (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। बांग्लादेश में एयरफोर्स का एक ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट क्रैश हो गया। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई है। खबर के मुताबिक बांग्लादेशी वायुसेना का एफ-7 ट्रेनर विमान दोपहर करीब 1.30 बजे हादसे का शिकार हुआ। यह माइलस्टोन स्कूल एंड कॉलेज की इमारत से टकरा गया था। हादसे के बाद मौके पर बचाव कार्य शुरू हो गया है। चार लोगों के घायल होने की भी खबर है।

बिहार विस में नीतीश सरकार पर विपक्ष का चौतरफा वार

» सर और अपराध पर सरकार को इंडिया गठबंधन ने घेरा

» विधायकों के हंगामे के बीच सदन स्थगित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में विशेष पुनरीक्षण समीक्षा व राज्य में बढ़ते अपराध को लेकर विस सभा में विपक्षी इंडिया गठबंधन ने एनडीए की नीतीश सरकार को जमकर घेरा। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही राज्य सरकार की ओर से 57946 करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट सदन के पटल पर रखा गया। इसके बाद शोक प्रस्ताव हुआ। इस दौरान विपक्ष का हंगामा जारी रहा। विधानसभा अध्यक्ष ने मंगलवार सुबह 11 बजे तक सदन की कार्यवाही को स्थगित कर दी।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपने मंत्रियों के साथ विधानसभा पहुंचे। पोर्टिको में उन्होंने हाथ हिलाकर सभी का अभिनंदन किया। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष के कक्ष में गए। सीएम ने अध्यक्ष को पुष्प गुच्छ भेंट कर किया। बिहार विधानमंडल का मानसून सत्र आज से शुरू हो रहा। वर्तमान सरकार का अंतिम और 17वीं विधानसभा का यह 15वां सत्र होगा। पांच दिनों तक चलने वाले इस सत्र में नीतीश सरकार 12 विधेयक लाएगी। इनमें चार मूल और आठ संशोधन विधेयक शामिल हैं। दोनों सदनों में सरकार इसे पास करवा कर कानून के रूप में लागू करेगी। आज विधानसभा की कार्यवाही में पहले अध्यक्ष अपना प्रारंभिक संबोधन देंगे। इसके बाद अध्यासी सदस्यों का मनोनयन होगा। इसके बाद समितियों का गठन होगा। वहीं इंडिया गठबंधन मतदाता पुनरीक्षण और बढ़ते अपराध को लेकर एनडीए सरकार को घेरने की तैयारी में है।

भ्रष्ट अधिकारियों का गठजोड़ अब बिहार की व्यवस्था का हिस्सा : तेजस्वी यादव

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सत्र शुरू होने से पहले सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा बिहार के कोने-कोने में घटित आपराधिक घटनाओं और चहुंओर व्याप्त भ्रष्टाचार ने बिहार की सच्चाई आपके समक्ष रख दी है। अपराधियों और भ्रष्ट अधिकारियों का गठजोड़ अब बिहार की व्यवस्था का हिस्सा बन चुका है। जाति-धर्म और अघोषित डीके टैक्स अधिनियम के अंतर्गत होने वाले ट्रांसफर-पोस्टिंग उद्योग ने भ्रष्टाचार का एक स्थायी संस्थागत ढांचा बना दिया है। जो उसमें फिट बैठेगा वही फ़ील्ड की पोस्टिंग पाएगा।

विधानसभा में विपक्ष का प्रदर्शन

विधानसभा में विपक्ष के नेताओं ने जमकर प्रदर्शन किया। माले के विधायक काले कपड़े पहनकर सदन में पहुंचे। यहां उन्होंने कहा कि स्ढ्ढक्रके एनआरसी लागू करना चाहती है। वहीं राजद विधायक और कांग्रेस के विधायकों ने कानून व्यवस्था और बढ़ते अपराध के मुद्दे पर सरकार को घेरा। विधानसभा अध्यक्ष ने उन्हें शांति बनाए रखने की अपील की लेकिन विधायक नहीं मानें।

जो भारत का नागरिक नहीं, वह वोट कैसे डाल सकता है : ललन सिंह

बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर विपक्ष के हंगामे के बीच केंद्रीय मंत्री और जेडी(यू) सांसद राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह का बड़ा बयान आया है। ललन सिंह ने विपक्ष पर पलटवार करते हुए कहा कि इस पर चर्चा से कौन भाग रहा है? यदि आप यह कहना चाहते हैं कि जो व्यक्ति इस देश का नागरिक नहीं है, उसे अपना वोट देना चाहिए और फिर आप संविधान की एक प्रति लेकर घूमते हैं। तो जो व्यक्ति भारतीय नागरिक नहीं है, वह भारत में अपना वोट कैसे डाल सकता है? केंद्रीय राज्य मंत्री और जदयू सांसद रामनाथ ठाकुर ने कहा कि विपक्ष का काम विरोध करना है, लेकिन सरकार का काम निर्णय लेना है। जिन लोगों के पास पहचान पत्र हैं, उनके नाम (मतदाता सूची से) नहीं काटे जाएंगे।

ममता देंगी बंगाली गौरव से बीजेपी के हिंदुत्व को चुनौती

» कोलकाता में टीएमसी की शहीद दिवस रैली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की अध्यक्ष ममता बनर्जी एक साल से भी कम समय में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए ज़ोरदार प्रचार अभियान की शुरुआत करते हुए कोलकाता में शहीद दिवस के अवसर पर एक रैली को संबोधित करेंगी।

उम्मीद है कि बनर्जी बंगाली अस्मिता और विभिन्न राज्यों में बंगाली भाषी प्रवासियों की नज़रबंदी के मुद्दे पर भाजपा पर निशाना साधेंगी। इस आयोजन के मद्देनज़र, कोलकाता पुलिस ने शहर के मध्य भाग में यातायात संबंधी कई कड़े नियम लागू किए हैं।

धर्मतला में होने वाली वार्षिक टीएमसी रैली से संबंधित जुलूसों को केवल सुबह 8 बजे से पहले और 11 बजे के बाद ही अनुमति दी जाएगी। पुलिस ने एक अधिसूचना जारी कर 21 जुलाई को सुबह 4 बजे से रात 9 बजे तक यात्री वाहनों के लिए व्यापक यातायात प्रतिबंधों की रूपरेखा तैयार की है। प्रभावित मार्गों की सूची इस प्रकार है।

लाखों की संख्या में एकत्रित हुए लोग

कोलकाता में आज होने वाली शहीद दिवस रैली के लिए हजारों तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) समर्थक एस्प्लेनेड ईस्ट में एकत्रित होने लगे हैं। लिखा 21 जुलाई सिर्फ़ एक तारीख़ नहीं है- यह समय के साथ अंकित एक चुनौती है। शहीद दिवस पर, हम याद करते हैं- गोलियाँ शरीर तो मार सकती हैं, आस्था नहीं। बंगाल की आत्मा को अत्याचार से कुचला नहीं जा सकता। 1993 में, 13 वीर शहीद हुए थे - सत्ता के लिए नहीं, बल्कि लोकतंत्र के सिद्धांत के लिए। उनके साहस ने एक ऐसे आंदोलन को प्रज्वलित किया जिसने हमारे राज्य और राष्ट्र की नियति को आकार दिया।

1993 में युवा कांग्रेस के 13 कार्यकर्ताओं की शहादत की याद में आयोजित होगी रैली

वार्षिक शहीद दिवस रैली 1993 में युवा कांग्रेस के 13 कार्यकर्ताओं की शहादत की याद में आयोजित की जाती है, जब पुलिस ने मतदान के लिए मतदाता पहचान पत्र को एकमात्र आवश्यक दस्तावेज़ बनाने की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज और गोलीबारी की थी। उस समय युवा कांग्रेस की नेता रहीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रही थीं। 1998 में पार्टी के गठन के बाद से, शहीद दिवस तृणमूल कांग्रेस का एक प्रमुख वार्षिक कार्यक्रम बन गया क्योंकि इसने पार्टी को माकपा विरोधी राजनीति की विरासत पर दावा करने और यह आख्यान गढ़ने का अवसर दिया कि वह पश्चिम बंगाल में वामपंथियों के विरुद्ध खड़ी सबसे दृढ़ राजनीतिक ताकत है।

वैष्णो देवी में लैंडस्लाइड, 10 तीर्थ यात्री दबे, 4 लोग गंभीर

» बाढ़ गंगा के पास गिरा भारी मलबा, रोकी गई यात्रा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू और कश्मीर में भारी बारिश हुई। बारिश के कारण कटरा में माता वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर सोमवार सुबह भूस्खलन हो गया। इस हादसे में 5 तीर्थयात्रियों सहित 10 लोग घायल हो गए।

अधिकारियों ने बताया कि यह घटना सुबह लगभग 8.50 बजे बाणगंगा के पास गुलशन का लंगर में हुई। यह जगह यात्रा का शुरुआती बिंदु है। इस रास्ते का इस्तेमाल अक्सर टट्टू वाले करते हैं। भारी बारिश के कारण यह भूस्खलन हुआ। बारिश कटरा में हो रही थी, जो तीर्थयात्रा का बेस कैंप है। लैंडस्लाइड के बाद तुरंत बचाव कार्य शुरू किया गया। सभी चार फंसे हुए तीर्थयात्रियों को पास के एक अस्पताल में पहुंचाया गया। अधिकारियों ने बताया कि बचाव कार्य अभी भी जारी है। माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के एक्टिंग चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर सचिन कुमार वैश्य ने बताया कि तीन लोगों को गंभीर चोटें आई हैं। सात अन्य लोगों को मामूली चोटें आई हैं। सभी घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। जम्मू के डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट सचिन कुमार वैश्य घटनास्थल पर गए। उन्होंने पुष्टि की कि बचाव और सफाई का काम चल रहा है। अधिकारियों के अनुसार, स्थानीय स्वयंसेवकों, श्राइन बोर्ड के कर्मचारियों, एएसडीआरएफ, पुलिस और सीआरपीएफ टीमों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू कर दिया। बचाव कार्य को तेजी से करने के लिए एक अर्थ-मूविंग मशीन का इस्तेमाल किया गया।

सुप्रीम कोर्ट ने ईडी को लगाई कड़ी फटकार

कर्नाटक सीएम सिद्धारमैया की पत्नी पार्वती को राहत, मुडा केस में सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की ईडी की याचिका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को कड़ी फटकार लगाते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को विवादास्पद मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) भूमि आवंटन मामले में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की पत्नी बी.एम. पार्वती को जारी ईडी के समन को रद्द करने के कर्नाटक उच्च न्यायालय के फैसले को बरकरार रखा। शीर्ष अदालत ने ईडी को राजनीतिक उद्देश्यों के लिए दुरुपयोग न करने की भी चेतावनी दी।

यह मामला कर्नाटक में मुडा द्वारा 14 भूमि भूखंडों के आवंटन में कथित अनियमितताओं से जुड़ा है। ईडी ने धन शोधन की जाँच के सिलसिले में पार्वती सिद्धारमैया और राज्य मंत्री बिरथी सुरेश को समन भेजा था। एजेंसी को इन भूमि लेनदेन के माध्यम से सत्ता के दुरुपयोग और अवैध लाभ का संदेह था। हालांकि, मार्च 2025 में, कर्नाटक उच्च न्यायालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत कार्यवाही करने के लिए सबूतों और कानूनी आधारों के अभाव का हवाला देते हुए ईडी के समन को रद्द कर दिया।

राजनीतिक लड़ाई मतदाताओं के सामने लड़ी जानी चाहिए : सीजेआई

भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की अध्यक्षता वाली सर्वोच्च न्यायालय ने ईडी की कार्रवाई की तीखी आलोचना करते हुए कहा कि एजेंसी का इस्तेमाल राजनीतिक लड़ाई लड़ने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। सुनवाई के दौरान, मुख्य न्यायाधीश गवई ने टिप्पणी की। राजनीतिक लड़ाई मतदाताओं के सामने लड़ी जानी चाहिए। इसके लिए आपका इस्तेमाल क्यों किया जा रहा है? उन्होंने महाराष्ट्र के अपने अनुभव को याद करते हुए ईडी के बारे में कठोर टिप्पणियाँ करने का भी संकेत दिया। अदालत के कड़े रुख को देखते हुए, ईडी की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस.वी. राजू ने अपील वापस ले ली।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय**:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com |
website: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** **डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020** *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।